राजकाज

तीसरा चरण बनाएगा इतिहास : गोयल

मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान

महानगर संवाददाता

जयपुर। 'मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान' का पहला और दूसरा चरण बेहद सफल रहा है और लोग इतने उत्साहित हैं कि तीसरा चरण एक इतिहास बनाएगा। यह कहना है जलदाय मंत्री सुरेन्द्र गोयल का। गोयल मंगलवार को शासन सचिवालय में धार्मिक समन्वय ट्रस्ट प्रकोष्ठ की बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि 'मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान' के पहले और दूसरे चरण में धार्मिक ट्रस्टों के जरिए लगभग साढ़े तीन करोड़ रुपए नगद और करोड़ों रुपए श्रम एवं सामग्री के द्वारा प्राप्त किए गए।

उन्होंने कहा कि जिस तरह पहले और दूसरे चरण में संतों के आर्शीवचन और भरपूर जनसहभागिता से 'मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान' से बेहतरीन परिणाम देखने को मिले उसी तरह की उम्मीदें तीसरे चरण से भी हैं। 'मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान' के तीसरे चरण में धार्मिक ट्रस्टों और संगठनों की भागीदारी को और अधिक प्रभावी बनाने और योजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए यह बैठक आयोजित की गई थी।

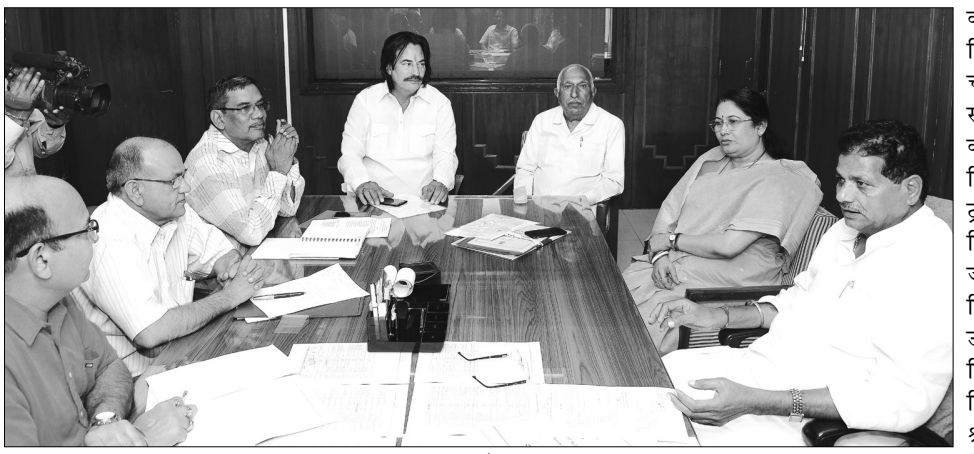

बैठक में प्रदेश के सभी संभागों के धार्मिक ट्रस्टों की जिलेवार जिम्मेदारी भी तय की गई। जलदाय मंत्री सुरेंद्र गोयल जहां अजमेर और जयपुर संभाग के धार्मिक ट्रस्टों से सहयोग लेंगे वहीं उच्च शिक्षा मंत्री किरण माहेश्वरी कोटा व उदयपुर, राजस्व मंत्री अमराराम जोधपुर और देवस्थान मंत्री राजकुमार रिणवा बीकानेर और भरतपुर संभाग की कमान संभालेंगे। बैठक में यह भी प्रस्तावित किया गया है कि मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान में चयनित गांवों के अलावा किसी अन्य गांवों में यदि धार्मिक ट्रस्ट काम करवाना चाहते हैं तो ऐसे में या तो संपूर्ण राशि या फिर न्यूनतम 50 फीसदी राशि धार्मिक ट्रस्ट द्वारा ही खर्च की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि 'मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान' के तीसरे चरण में प्रदेश के 3800 से ज्यादा गांवों का चयन कर वहां मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के तहत कार्य करवाया जाएगा। देवस्थान विभाग एक सप्ताह में सभी चयनित गांवों और धार्मिक ट्रस्टों सूची मंत्रियों को उपलब्ध कराएगा। इस दौरान यह भी तय किया गया कि धार्मिक समन्वय ट्रस्ट की अगली बैठक विधानसभा सत्र के दौरान की जाएगी। बैठक में देवस्थान विभाग के आयुक्त जितेन्द्र कुमार उपाध्याय, जलदाय मंत्री के विशिष्ट सचिव महेश शर्मा, उच्च शिक्षा मंत्री के विशिष्ट सचिव श्रवणलाल बुनकर, ग्रामीण विकास विभाग के परियोजना निदेशक अरुण सुराणा, जल ग्रहण विकास विभाग के अतिरिक्त निदेशक सीएम तेजावत सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

ब्लू व्हेल गेम के संबंध में विद्यालयों में जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश

अभिभावकों, बच्चों से संवाद कर विशेष सतर्कता रखे जाने पर जोर

महानगर संवाददाता

जयपुर। शिक्षा राज्य मंत्री वासुदेव देवनानी ने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ब्लू व्हेल गेम के खतरे के बारे में विद्यालयों में जागरूकता अभियान चलाए जाने और शिक्षकों द्वारा अभिभावाकों से संवाद कर बच्चों के सोशल मीडिया के प्रयोग पर सतर्क दृष्टि रखे जाने का आह्वान किया है। देवनानी ने कहा कि ब्लू व्हेल गेम बच्चों को दिग्भ्रमित कर स्वयं को शारीरिक नुकसान पहुंचाने एवं आत्महत्या करने के लिए उकसाता है। इस गेम के कारण बच्चों के हो रहे नुकसान पर चिंता जताते हुए उन्होंने अभिभावकों का आह्वान किया है कि वे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म यथा गूगल, फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, माइक्रोसाफ्ट, याहू आदि के अंतर्गत ब्लू व्हेल और उसके जैसे ही किसी भी गेम के लिंक को नहीं खोले। इस तरह के किसी भी गेम के डाउनलोड से बचने की सलाह देते हुए उन्होंने इस सबंध में बच्चों को भी जागरूक किए जाने पर जोर दिया है।

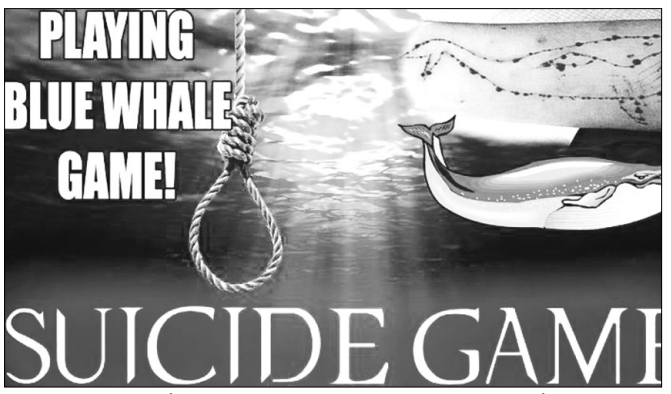

उन्होंने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बच्चों एवं उनके अभिभावकों में जागरूकता लाने के लिए प्रत्येक स्कूल में इस संबंध में विशेष संवाद कार्यक्रम रखे जाने तथा उसमें बच्चों एवं उनके अभिभावकों को शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा तथा होने वाले नुकसानों से अवगत कराने के निर्देश दिए हैं।

शिक्षा राज्य मंत्री ने अभिभावकों द्वारा बच्चों से निरंतर संवाद रखे जाने, उन्हें कम्प्यूटर और मोबाइल के उपयोग के समय अकेला नहीं छोड़े जाने और विशेष सतर्कता रखे जाने का भी आह्वान किया है।

विशेष योग्यजन पुरस्कार

30 सितम्बर तक प्रस्ताव आमंत्रित

महागनगर संवाददाता

जयपुर। राज्य के सर्वश्रेष्ठ विशेष योग्यजनों एवं विशेष योग्यजनों के कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्तियों एवं संस्थाओं को 14 श्रेणियों में वर्ल्ड डिसएबिलिटी डे के अवसर पर 3 दिसम्बर, 2017 को राज्य स्तरीय विशेष योग्यजन पुरस्कार योजना में सम्मानित करने के लिए 30 सितम्बर, 2017 तक प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं।

विशेष योग्यजन निदेशक डॉ. समित शर्मा ने बताया कि आवेदक अपने जिले के जिला अधिकारी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कार्यालय में संपर्क कर अपनी पात्रतानुसार संबंधित श्रेणी के निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र 30 सितम्बर, 2017 तक जिला अधिकारी को प्रस्तुत करें। समस्त जानकारी विभागीय वेबसाइट 222.sje.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

श्रेष्ठ निर्वाचन कार्यकलापों के लिए नामांकन आमंत्रित

महानगर संवाददाता

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य में श्रेष्ठ निर्वाचन कार्यकलापों में कार्य करने वाले विभिन्न सेवाओं के अधिकारियों, कर्मचारियों व नागरिक संगठनों से नामांकन पत्र 5 अक्टूबर तक आमंत्रित किए हैं। उल्लेखनीय है कि 2014 में भी राज्य से भारतीय प्रशासनिक सेवा स्तर के अधिकारी भी पुरस्कृत हुए थे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी अश्विनी भगत ने बताया कि ये पुरस्कार नई दिल्ली में आयोजित होने वाले आगामी राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम में दिए जाएंगे जबकि श्रेष्ठ निर्वाचन गतिविधियों के लिए वार्षिक राज्य पुरस्कार आगामी राज्य स्तरीय राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम में दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि श्रेष्ठ निर्वाचन गतिविधियों के लिए सामान्य श्रेणी पुरस्कार, विशेष पुरस्कार तथा श्रेष्ठ राज्य पुरस्कार तथा राष्ट्रीय सिविल सोसायटी संगठन पुरस्कार दिए जाएंगे।

भगत ने बताया कि नामांकन पत्र भरने के लिए इस वर्ष विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन, सातवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन, युवा पंजीकरण महोत्सव, वृहत मतदाता पंजीकरण अभियान व परस्पर संवादात्मक स्कूली वचनवद्धता कार्यक्रम के पहलुओं को शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सामान्य व विशेष श्रेणी पुरस्कार के लिए सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन सहभागिता योजना (स्वीप), मतदाता सूची प्रबंधन, व्यय प्रबंधन एवं धन शक्ति नियंत्रण, सुरक्षा प्रबंधन, नव संरचना प्रबंधन व प्रौद्योगिकी का प्रयोग विषय चयन का आधार होगा। इसी प्रकार उस नागरिक संगठन अथवा व्यक्ति ने स्वीप के अंतर्गत नवाचार का निर्वाचन सहभागिता बढ़ाई हो, उसे पुरस्कृत किया जाएगा। भगत ने बताया कि श्रेष्ठ राज्य पुरस्कार उसी राज्य को दिया जाएगा जिस राज्य ने निर्वाचन गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने ऐसे नागरिक संगठन अथवा व्यक्ति जिसके द्वारा सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन सहभागिता योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट नवाचार के लिए कार्य किया हो, वहीं नामांकन पत्र भिजवाने के निर्देश दिए हैं।

मिशन परिवार विकास

पहली बार परिवार नियोजन पर अपनी बात रखने के लिए महिलाओं को मिला मंच

डूंगरपुर जिले के गांव-गांव में आयोजित हो रहे हैं सास-बहू सम्मेलन

महानगर संवाददाता

डूंगरपुर। 'छोटा परिवार सुख का आधार' इस बात की समझाइश के लिए प्रदेश के जनजाति जिले डूंगरपुर में जिला प्रशासन के निर्देशन में चिकित्सा विभाग की ओर से गांव-गांव में सास-बहू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं।

इन सम्मेलनों का मुख्य उद्देश्य सास एवं बहू को एक साथ, एक मंच पर लाकर परिवार नियोजन के लिए जागरूक करना है। इसके साथ ही परिवार नियोजन के साधनों की जानकारी देते हुए इन साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित करना भी है। हमारी सामाजिक व्यवस्थाओं में परिवार का बड़ा महत्व है और उनमें भी विशेषकर घर की बड़ी एवं बुजुर्ग महिलाओं का। ऐसे में परिवार की बहू के निर्णय कहीं न कहीं सास अथवा घर की बुजुर्ग महिलाओं की विचारधाराओं से प्रभावित होते हैं। विशेषकर परिवार नियोजन जैसे मुद्दे पर सास और बहू की आपसी समझ काफी महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग इस रिश्ते की परिवार नियोजन में महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए मिशन परिवार विकास कार्यक्रम के तहत जिले भर में सास-बहू सम्मेलन आयोजित कर रहा है।

इन सम्मेलनों के दौरान सास-बहू के बीच परिवार नियोजन के विचारों पर तालमेल बिठाने, उन्हें सीमित एवं छोटे परिवार के लाभ बताने और परिवार नियोजन के साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित करने में क्षेत्र की आशा व एएनएम मुख्य भूमिका निभा रही हैं। डूंगरपुर जिले में सोमवार से प्रारंभ इन सम्मेलनों के प्रथम दिन ही सास एवं बहुओं ने बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया।

अमूमन परिवार नियोजन जैसे मसलों पर महिलाएं खुलकर बात नहीं कर पाती। विशेषकर इस क्षेत्र में परिवार नियोजन के बारे में बात करने में महिलाएं हिचकिचाती-झिझकती हैं। उनके मन में परिवार नियोजन के लिए अपनाने वाले साधनों के बारे में जो आशंकाएं, प्रश्न अथवा जिज्ञासाएं हैं, वे किसी से कह नहीं पाती और ना ही उनको उनकी शंकाओं का समाधान मिल पाता है। ऐसे में इन सम्मेलन में आईं महिलाओं को जब आशाओं एवं एएनएम द्वारा परिवार नियोजन के मुद्दे पर आने वाली परेशानियों के बारे में पूछा गया तो पहली बार महिलाओं ने अपनी बात कहने का अवसर और साथ पाकर इस संबंध में आने वाली तमाम परेशानियों, जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों को मुखरता के साथ बताया तथा एएनएम-आशाओं ने भी उनके सभी प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी आशंकाओं का समाधान किया।

डूंगरपुर जिले के कई गांवों में आयोजित हो रहे सम्मेलन के प्रथम दिन ही उत्साह देखने को मिला। जब सम्मेलन में आई कुछ सास परिवार नियोजन अपनाने की समझाइश से इतनी ज्यादा प्रेरित हुईं कि परिवार को छोटा और सुखी रखने के लिए उन्होंने सम्मेलन में ही अपनी बहू को परिवार नियोजन के साधनों को अपनाने की प्रेरणा दे डाली।

डूंगरपुर जिले में 30 सितम्बर तक चलने वाले सास-बहू सम्मेलन में एएनएम व आशा द्वारा सीमित परिवार के लाभ, विवाह की सही आयु, विवाह के दो वर्ष बाद पहला बच्चा, पहले एवं दूसरे बच्चे में कम से कम 3 साल का अंतर, परिवार नियोजन के स्थाई एवं अस्थाई साधनों के बारे में चर्चा कर सास-बहू को संपूर्ण जानकारी प्रदान की जाएगी वहीं परिवार कल्याण के स्थाई एवं अस्थाई साधन अपनाने के लिए नजदीकी चिकित्सा संस्थानों पर उपलब्ध सेवाओं की भी जानकारी दी जाएगी।